तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
9-7-21	पत्रावली पेश हुई वकील प्रार्थीगण उपस्थित अप्रार्थीगण के सम्मन बाद तामिल होकर पूर्व में ही प्राप्त हो चुके है। तहसीलदार माण्डल पटवार हल्का मेजा द्वारा भी मौका रिपोर्ट प्राप्त हुई जिसे शा० प० की गई, अप्रार्थीगण को तीन मर्तबा आवाजे दिलायी जाने के बाद भी उपस्थित नहीं, इनके विरुद्ध एक तरफा कार्यवाही किये जाने का आदेश दिया जाता है। वकील प्रार्थीगण ने प्रार्थना पत्र स्वीकार किये जाने का निवेदन किया। वकील प्रार्थीगण की बहस सुनी गयी वास्ते पत्रावली आदेश हेतु नियत दिनांक 16-7-21 को पेश हो।	स्वीकार मौका है [illegible]
16-7-21	उभय पक्ष उपस्थित पीठासीन अधिकारी राजकीय कार्य से बाहर हैं। अवकाश पर है / पदरिक्त है। अतः पत्रावली दिनांक 20-7-21 को पेश हो। रीडर उपखण्ड अधिकारी माण्डल	
20-7-21	पत्रावली पेश हुई, अभिभाषकगण द्वारा न्यायिक कार्य स्थगन/बहिष्कार रखने से पत्रावली दिनांक 27-7 को पेश हो।	
27-7-21	पत्रावली पेश हुई वकील प्रार्थीगण उपस्थित वकील प्रार्थीगण का प्रार्थना [illegible] स्वीकार किया जाकर [illegible] शामिल पत्रावली किया गया पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो। उपखण्ड अधिकारी मांडल जिला भीलवाड़ा	

Signature Not Verified
Digitally signed by Pooja Saxena
Date: 2021.12.23 14:19:59 IST
Reason: SelfAttested

राजस्थान –सरकार

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी माण्डल जिला भीलवाडा

पीठासीन अधिकारी–डॉ पूजा सक्सैना, आर.ए.एस.

मुकदमा संख्या – 86/20

1– श्री नन्दा S/o श्री मोहन दरोगा निवासी- कालुखेड़ा तहसील-माण्डल [भीलवाड़ा]

–प्रार्थी

बनाम

1– श्री लादु S/o श्री धुरा दरोगा निवासी- कालुखेड़ा तहसील-माण्डल [भीलवाड़ा] (स्वाभाविक प्रतिपक्ष सहित)

–विपक्षीगण

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 111–128 रा.भू.रा.अधि. 1956

दिनांकः– 27-07-21

::आदेश::

प्रार्थी की ओर से एक प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 111–128 रा.भू.रा.अधि. 1956 के तहत प्रस्तुत कर निवेदन किया कि ग्राम.......कालुखेड़ा.......पटवार हल्का.......मेजा.......तहसील माण्डल में उसके खाते /संयुक्त खाते की आराजी नं. 746, 747, 846/736, 883/747 कुल किता.......04.......रकबा.......08 बीघा.......01.......बिस्वा स्थित है। वादग्रस्त भूमि के विपक्षीगण के मध्य आराजी मुतदायिवा के सीमा चिन्ह नहीं होने से आये दिन सीमा संबंधी विवाद उत्पन्न होता रहता है।जिसमें प्रार्थी अपने खाते/संयुक्त खाते की भूमि की पत्थरगढी के आदेश प्रदान कराये जावें।

प्रस्तुत प्रार्थना पत्र इस न्यायालय में दिनांक ....17-06-20.......को पंजीबद्व किया जाकर प्रकरण को अवलोकनार्थ से यह बात सिद्ध है कि वादग्रस्त भूमि प्रार्थी एवं कब्जे काश्त काश्त की होने से पत्थरगढी कराने का अधिकारी है। वैसे भी इस प्रकार के आदेश से अधिकारी अभिलेख में किसी प्रकार की हेरा–फेरी होने का अंदेशा नहीं है तथा न किसी प्रकार अधिकर निर्धारित किये जाते है। अतः इन तथ्यों को देखते हुए नैसर्गिक की न्यायिक सिद्वान्त के आधार पत्र स्वीकार योग्य है।

::आदेश::

प्रार्थी का प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 111–128 रा.भू.रा.अधि. 1956 का स्वीकार किया जाकर ग्राम.......कालुखेड़ा पटवार हल्का.......मेजा.......तहसील माण्डल में उसके खाते/संयुक्त खाते की आराजी नं. 746, 747, 846/736, 883/747.......कुल किता.......04.......रकबा.......08.......बीघा.......01 ....बिस्वा भूमि के चारों तरफ सीमा [illegible] किये जाने हेतु पत्थरगढी किये जाने का आदेश दिया जाता है। पत्थरगढी किये जाने हेतु भू–अभिलेख [illegible] मेजा.......को.......900/–रुपये/– कमिश्नर फीस पर कमिश्नर नियुक्त [illegible] विपक्षीगण मौके पर जमा करावें। कमिश्नर फीस जमा होने पर पक्षकारान की मौजूदगी में [illegible] कब्जे की यथास्थिति को बनाये रखते हुए मुस्तकील बिन्दु को आधार मानकर पत्थरगढी की जावें। फसल खडी होने पर पत्थरगढी नही की जावें।

Signature Not Verified
Digitally signed by Pooja Saxena
Date: 2021.12.23 14:19:59 IST
Reason: SelfAttested

उपखण्ड अधिकारी
माण्डल जिला भीलवाड़ा

प्रतिलिपिः– तहसीलदार माण्डल को भेजकर लेख है कि प्रार्थी द्वारा राशि जमा कराने पर नियमानुसार पत्थरगढी की जाकर पालना रिपोर्ट 07 दिवस में प्रस्तुत करें।

उपखण्ड अधिकारी